The Minister of Food and Agriculture (Shri A. P. Jain): (a) and (b). Only two complaints have been received, one of which has been settled and the other is under investigation.

पब्बर नदी पर पुल

४५०. **श्री पद्म देव :** क्या परिवहन तथा संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को यह ज्ञात है कि रोड़ू मे पब्बर नदी पर जो पुल था वह कछ वर्ष पहले बह गया था जिसके कारण वहां के लोगों को बड़ी असुविधा होती है और प्रति वर्ष कई आदमियों की मृत्यु होती है;

(ख) क्या सरकार को यह भी ज्ञात है कि इस पुल के पुनर्निर्माण की योजना कई वर्षों से विचाराधीन है ; और

(ग) उक्त पुल कब तक बन जायेगा ?

परिवहन तथा संचार मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री राज बहादुर) : (क) से (ग). हिमालय प्रदेश राज्य के बनने से पहले ही पुल बह गया था । इस जगह पर स्थानीय दावादारों ने अलग अलग कब्जा बताया है जिससे इसका पुनर्निर्माण शुरू नही किया जा सका है । प्रशासन द्वारा इसके नक्शे तथा प्राक्कलन तैयार किये जा रहे हैं । प्राक्कलन मंजर हो जाने के बाद पुल के निर्माण में एक साल लगेगा ।

जोगेन्द्र नगर हिमाचल प्रदेश मे आयुर्वेदिक फार्मेसी

४५१. **श्री पद्म देव :** क्या स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि जोगेन्द्र नगर की आयुर्वेदिक फार्मेसी पर अब तक कुल कितनी राशि व्यय की जा चुकी है ?

स्वास्थ्य मंत्री (श्री करमरकर) : जोगेन्द्र नगर की आयुर्वेदिक फार्मेसी पर अब तक कुल २,३६,७६६ रु० की राशि व्यय की जा चुकी है ।

शिमला-कालका रेलवे का किराया

४५२. **श्री पद्म देव :** क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को यह ज्ञात है कि किराये में हाल की कटौती के बावजूद भी शिमला-कालका रेलवे का किराया सामान्य किराये से तिगुना है ;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार को यह भी ज्ञात है कि इस रेलवे से लाभ उठाने वाले लोग पिछड़े इलाके के हैं और वे इतना भार वहन नही कर सकते ; और

(ग) क्या सरकार इस किराये को सामान्य किराये के बराबर करने का प्रयत्न करेगी ?

रेलवे उपमंत्री (श्री शाहनवाज खां) :

(क) जी हां ।

(ख) जी नही ।

(ग) जी नहीं ।

कृषि पंडित

४५३. **श्री भदौरिया :** क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि गेहूं, चावल , गन्ना और आलू की खेती करने में अब तक जिन किसानों को कृषि पंडित की उपाधि दी गई है उन्होंने प्रति एकड़ कितना उत्पादन किया था ?

खाद्य तथा कृषि मंत्री (श्री अ० प्र० जैन) : गेहूं, आलू और धान के रूप में चावल के विषय में जानकारी का एक विवरण सभा-के पटल पर रख दिया गया है । "कृषि पंडित" की उपाधि गन्ने के सम्बन्ध में नहीं दी गई है [देखिये परिशिष्ट २, अनुबन्ध संख्या ३१] ।